2874796

कुल पृष्ठ संख्या - 32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

ED
INE

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ✗

विषय हिन्दी साहित्य

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 23/4/2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	5
2	6	20	5
3	12	21	6
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेखे, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड प्रथम

उत्तर 1.

(i)	(द)
(ii)	(स)
(iii)	(ब)
(iv)	(द)
(v)	(ब)
(vi)	(द)
(vii)	(द)
(viii)	(स)
(ix)	(स)
(x)	(अ)
xi	(द)
xii	(द)

12

उत्तर 2.
(i) प्रसाद गुण।
(ii) काव्य दोष।
(iii) 26 मात्राएँ।
(iv) लघु → ।, गुरु → ऽ।
(v) तीन प्रकार के।
(vi) अनुप्रास अलंकार।

6

उत्तर (vi) चन्द्रगुप्त नाटक से लिया गया है।
1 (vii) मन्नू की बुआ का नाम पारो था।
1 (ix) राम बचपन में खेल में भी मेरा दिल नहीं तोड़ते थे अर्थात् स्वयं हारकर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		मुझे जिता देते थे जिससे मुझे पीड़ा न हो।
उत्तर	7.	(i) मिल-मालिक ने ज्यादा उत्पादन के लिए मजदूरों के हाथ लगाने के लिए वैज्ञानिकों को नौकरी पर रखा वैज्ञानिकों ने शोध किया परन्तु वे असफल रहे तो मालिक ने उन्हें नौकरी से हटा दिया।
	(ii)	उसने मजदूरों के लकड़ी के हाथ लगवाये पर कोई लाभ न हुआ। फिर उसने मजदूरों के लोहे के हाथ लगवाये जिससे बेचारे मजदूर ही मर गये।
उत्तर	8.	असगर वजाहत का जन्म सन् 1946 में फतेहपुर में हुआ था। इन्होंने 1955-1956 से लेखन प्रारम्भ कर दिया।
		इनकी प्रमुख कृतियां →
		इन्होंने गजल आदि भी लिखे थे। फिरंगी लौट आये, दिल्ली पहुँचना है, स्विमिंग पूल। इन्हें अनेक पुरस्कार भी प्राप्त है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
उत्तर 2	9.	दिशा कविता का मूल भाव यह है कि हर व्यक्ति अपना यथार्थ होता है वैसे दिशा कविता में कवि एक बच्चे से पूछता है कि "हिमालय किधर है" तो जिस ओर बच्चे की पतंग उड़ती है बच्चा उसी दिशा में ही हिमालय बताता है। अतः जिस व्यक्ति का जो लक्ष्य है वो ही उसे दिखाई देता है वो ही सबकुछ है।
उत्तर 2	10.	माँ सरस्वती की बखानता में नित नवीनता है इसलिये स्पष्ट रूप से उनका बखान कोई नहीं कर सकता। ऋषि मुनि, देवगण भी अर्थात चतुर्मुख ब्रह्मा पंचमुख शिव एवं षट्मुख कार्तिकेय भी उनका बखान नहीं कर पाये तो सामान्य व्यक्ति तो क्या ही कर पायेगा।
उत्तर 2	11	विद्यापति का जन्म सन् 1340 में (ल.सं.) में हुआ था। ये शुरू से तर्कशील एवं बुद्धिवान थे इनका परिवार नाम के लिए प्रसिद्ध था। ये रीतिकाल के कवि माने जाते है। ये कई राजाओं आश्रय में रहे। ये कृष्ण एवं राधा की प्रेम गाथा को नायक-नायिका

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		रूप में प्रस्तुत करते है।
		मृत्यु :- इनकी मृत्यु 1460 मे हुई।
		प्रमुख रचनाएँ →
		कविप्रिया,
		रतनबावनी, आदि।
उत्तर	12.	(i) भैरो की पत्नी सुभागी भैरो की मार से बचने के लिए सूरदास के घर में घुस जाती है जिससे मोहल्ले वाले सुभागी व सूरदास के चरित्र को गलत समझने लगे।
2		(ii) सूरदास अंधा भिखारी होने के बावजूद उसके पास इतने पैसे कहाँ से आये।
उत्तर	17.	भारत की निम्नलिखित विशेषताओं का वर्णन हुआ है।
3		(i) भारतवर्ष मधुमय देश है।
		(ii) यहाँ पर अच्छी वर्षा होती है।
		(iii) यहाँ पर शीतल, मंद, सुगंधित हवा चलती है।
		(iv) भारतवर्ष सब का आश्रयस्थली है, उसी से यहाँ अनेक जातियाँ रच - बस गयी है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(v) यहाँ के लोग करुणाशील, संवेदनशील एवं सहानुभूति रखने वाले है।

(vi) भारतवर्ष में अनजान को भी भारत वासियों का सहारा मिलता है। पक्षी भी अपने घोंसले बनाते है।

उत्तर 18. सूरदास की चारित्रिक विशेषताएँ निम्न है।-

(1) संवेदनशील व्यक्तित्व →

सूरदास एक संवेदनशील व्यक्ति है उसने भैरो को मार से बचने के लिए सुभागी की मदद की।

(2) मेहनती व्यक्तित्व →

सूरदास की झोंपड़ी में आग लगने के बाद भी सूरदास ने बदला लेने की अपेक्षा पुनर्निर्माण का सोचा और उसने पुनः अपनी झोंपड़ी का निर्माण किया।

4

(3) स्थिर-व्यक्तित्व →

सूरदास की झोंपड़ी में आग लगने के बावजूद भी उसने हार नही मानी और पुनः मेहनत करके वापस कमा लूँगा।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 13. सप्रसंग →

प्रस्तुत पद्यांश "तुलसीदास" द्वारा रचित (अयोध्या 'गीतावली' से संकलित पद से उद्धृत है। इसमें कवि ने राम की माता द्वारा उसके द्वारा पाले हुये घोड़ों के बहाने वात्सल्य प्रकट रहा है अर्थात् उन्हें बुलाना चाहती है।

→ व्याख्या →

गीतावली पद में श्रीराम की माता उनके वनवास जाने पर दुखी है और कहती है जब वह उन्माद - दशा में होती है तब श्रीराम के बचपन के खिलौने को छोटे - छोटे धनुष - बाण, श्रीराम की छोटी - छोटी जूतियों को देखती है और उन्हें पुचकारती है और उन्हें हाथों में लेकर कभी उन्हें अपनी आँखों से लगाती है और उनको हृदय से लगाकर राम के सामीप्य का अनुभव करती है कभी - कभी उन्हें बिस्तर से उठाती है और कहती है कि अपने भाइयों के साथ खेलने जाओ और उनके साथ भोजन करो राजा तुम्हें पुकार रहे है।

1+4

5

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

और श्रीराम द्वारा पाले गये घोड़ों का बखान करके अपना वात्सल्य प्रेम दिखाती है और कहती तुम्हारे द्वारा पाले गये घोड़े तुम्हारे वन गमन से दुर्बल हो गये है तुम ही आकर उनकी देखभाल करो राम एक बार तो आ जाओ।

(4) विशेष :- (i) श्रीराम की माता का श्रीराम के प्रति वात्सल्य प्रेम का विशेष वर्णन है।

(ii) अनुप्रास अलंकार है।

उत्तर 20. प्रसंग →

प्रस्तुत गद्यांश रामचन्द्र शुक्ल द्वारा रचित है। इसमें कवि लेखक ने चौधरी साहब की चरित्र वर्णन किया है।

→. व्याख्या →

लेखक जब मिर्जापुर गये तो उन्हें चौधरी साहब से मिलने की उत्कंठा थी तो लेखक ने कहा कि चौधरी साहब से तो अब तो अच्छी तरह परिचय हो गया है अच्छे उनके बारे मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जान लिया है अब तो मेरा उनके घर जाना लगा रहता है एक लेखक की हैसियत से। हम लोग तो चौधरी को पुरानी चीज की तरह समझते हैं जो लगाव पुरानी चीजों से होता है वो हि उनके साथ है। इस पुरातत्व प्रेम-श्रद्धा एवं कौतुहल भी एक अद्भुत मिश्रण है। अतः इस बात को देखकर यह कह देना आवश्यक है कि चौधरी साहब खुशमिजाज और खासे हिन्दुस्तानी रईस थे। यहाँ मनाये जाने वाले त्यौहारों में उनका रईसपन देखा जा सकता है। होली बसंत, आदि अवसरों नाचरंग होता था। उनकी हर एक अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकती थी क्योंकि चौधरी साहब तबीयत बहुत ही स्वस्थ थे घर की कोई चीज दूर ही क्यों न जाये पर स्वयं उसके हाथ भी न लगाते थे। उनके बबेर बाल है जो हमने उनकी प्रथम-झलक में देखा था। छत से वे इधर-से उधर टहल रहे थे। एक छोटा सा लड़का जो पान की तश्तरी करता था वो उनके लिए पान लाता था।

1-4

5

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उनकी बातों का तो क्या ही कहना जो बात उनकी मुँह से निकलती थी उनमें एक विलक्षण वक्रता रहती थी। वो अपनी बातों से सबको बनाया करते थे, उन्हें ऐसा करने में आनंद आता था।

उत्तर 3. (i) रूपक अलंकार → जहाँ पर उपमान का उपमेय पर सीधा आरोप हो वहाँ, रूपक अलंकार होता है।

(ii) ज्ञाता से मधुमास बतादो मधु मदिरा का मोल। मानवीकरण अलंकार।

(iii) जनसंचार के माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम मुद्रित माध्यम (प्रिंट) है।

उत्तर 6. इससे आशय है कि बड़ी बहुरानी ने जब हरगोबिन संवदिया को उसका संदेश लेकर उसके मायके भेजा तो उसने सोचा कि अगर गाँव की लक्ष्मी अगर गाँव छोड़कर चली गई तो गाँव की बदनामी होगी बड़ी हवेली की होगी और इसलिए संवदिया ने कहा तुम

BSER-168/2021

1 ½ 1 ½ 1 2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मत जाओ मैं तुम्हारा काम करूँगा मैं अब निठल्ला नहीं बैठा रहूँगा आपका खर्चा मैं लाऊँगा।)

उत्तर 21. (ख) कोरोना काल : नयी चुनौतियाँ

1. ~~उपसंहार~~ प्रस्तावना → कोरोना 21वीं सदी की एक खतरनाक महामारी है। वैसे हमें हमेशा ही किसी न किसी न किसी आपदा से गुजरना ही पड़ता है परन्तु इस महामारी विश्व के ताकतवर से ताकतवर देश को भी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है।

इसका उदय चीन के वुहान शहर में 2019 में दिसम्बर में खोजा गया था। इस का नाम को-विड (CO-VID) 19 रखा गया क्योंकि यह 2019 के अन्त में खोजा गया था। कोविड से आशय CO → कोरोना VI → वायरस & D → डिसीज और अन्त 19 लगा के COVID-19 रखा गया है। इससे सम्पूर्ण विश्व को बहुत हानि हुई है और कई लोग मौत के मुँह मे चले गये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) सामाजिक प्रभाव → कोरोना महामारी से बहुत सी कठिनाईयाँ आई है और इससे लोगों आर्थिक समस्या को भी झेलना पड़ा, लॉकडाउन की वजह लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन हुआ। और कई लोग एक ही जगह फंस गये। (i) शादी - समारोह सके, कोई भी सार्वजनिक कार्य न हो सके।

(3) विद्यालयों का बन्द होना → इस कोरोना बच्चों का भविष्य बिगड़ गया है बच्चों की परीक्षाएं नहीं हो पायी, बच्चों की परीक्षा न होने उन्हें ऐसे ही अगली कक्षा में क्रमोन्नत किया गया जिससे बच्चों का भी नुकसान हुआ।

(i) ऑनलाइन कक्षाएँ से बच्चों को फोन से पढ़ाई के कारण बच्चों को फोन की लत सी गयी है और उनकी पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा। इससे देश को भी काफी नुकसान हुआ है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

4 देश की आर्थिक व्यवस्था → कोरोना काल में देश को लॉकडाउन जैसी नीतियों का सामना करना पड़ा। इससे भारत को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है जिससे भारत की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई है और देश में लॉकडाउन की वजह से सार्वजनिक कार्य रुक गये जो बच्चे और मजदूर बाहर थे वे अपने परिवार वालों से दूर हो गये और बाद में उनको सुरक्षित उनके घर पहुँचाया गया।

5. बचाव व लक्षण और → इसके लक्षण स्वाइन-फ्लू से मिलते जुलते है। इसमें सरदर्द, गले में दर्द, सांस लेने तकलीफ जैसी समस्याए। बचाव → छींकते व खाँसते समय टिशू या रूमाल का प्रयोग करें बाहर वक्त मास्क लगाये। बार-बार साबुन से हाथ धोये एल्कोहल से निर्मित सेंनिटाइजर का प्रयोग करे इसके लक्षण दिखते ही स्वयं को होम आइसोलेट कर ले और चिकित्सक की परामर्श ले

(6)

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

6. भारत ने इसका सामना किया →
भारत ने लॉकडाउन, होम आइसोलेशन और क्वारंनटाइन को अपनाकर और मास्क अनिवार्य है इसको बताकर और कोविड-19 की वैक्सीन लगाकर इसका सामना किया। भारत थोड़ा बहुत अब इससे उभरा है।

7. उपसंहार →
भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी किया है कि सब वैक्सीन लगवाये और कोरोना से बचे हम सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि हम सब वैक्सीन के सारे डोज लगवाये और दो गज की दूरी बनाये रखे मास्क का प्रयोग करे। सर सलामत तो पगडी हजार, जान है तो जहान है तो सब इसका पालन करें।

उत्तर 16. (i) विकास के नाम पर सरकार इन लोगों को विस्थापित कर देती है जिससे लोग अपने घर परिवेश जमीन से बेदखल कर दिये जाते है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	सरकार औद्योगिक का पाश्चिम का मॉडल अपनाकर लोगों विस्थापित कर रही है और उद्योगो से निकलने वाली जहरीली गैसों से पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है।
3	(iii)	विस्थापन की समस्या तो मनुष्य को भोगनी पड़ रही वे अपने मूल स्थान जन्म स्थान से विस्थापित हो रहे है जिनसे न तो उनको मुवाअजा मिल रहा है और नहीं रहने के लिए आवास।
	उत्तर 15.	आरोहण में वर्णित पर्वतीय सौंदर्य निम्न है
2	(i)	वहाँ की महिलाएँ गृहस्थी में अपने पति का काम बंटाती है और वे प्राय सुन्दर व अनपढ़ होती है
	(ii)	वहाँ पर चारों हरियाली होती है चारो पर्वत को काट कर खेत बनाये गये है और वहाँ सुंदर झरना बहता है।
	उत्तर 14. (i)	मालवा में पहले अच्छी बरसाते होती थी और वहाँ का वातावरण शुद्ध था। परन्तु औद्योगिक को अपनाने से वहाँ प्रदूषण फैल गया

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	अब वहाँ ग्रीन हाउस गैसो एवं कार्बन डाई-ऑक्साइड की वजह से वहाँ का तापमान बढ़ रहा है। इसलिए कहा है कि पहले दसेरा दिवाली किस प्रकार मनाया जाता था और अब।
2		
उत्तर	13.	(i) भूप दादा और शैला ने मिलकर पर्वत को काट-काटकर वहाँ पर खेत बनाये और वहाँ से सिंचाई के लिए रास्ता बनायो।
	(ii)	वे शैला और उनके द्वारा सर्दियों में जब बर्फ जम जाती थी तो कैसे लकड़ी जलाकर उसे पिघलाया जाता था और उन्होंने मिलके यहाँ एक नये जीवन की शुरूआत की इसलिए वे शैला की याद में वहाँ थे और वे पर्वत की चढ़ाई बिना किसी प्रशिक्षण के करते थे।
2		
उत्तर	5.	(i) भाषा सरल, एवं स्पष्ट एवं लघु होनी चाहिए।
		(ii) इसमें क्या, कौन, कहाँ, ऐसे शब्दों का प्रयोग बिलकुल नहीं किया जाना चाहिए
2		

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (3) (viii) मुक्त छंद।

(iv) कौन? कब।

(v) इंटरनेट, जनसंचार।

(x) कविता के प्रमुख तत्व निम्न है।

(i) छोटे वाक्य, तुकांत, यति हो।

(xi) तीन भाग होते है। - प्रारम्भ, मध्य, अन्त

(xii) विषय का चुनाव नाटककार लिखते समय करना पड़ता है।

उत्तर 4. (i) लेखन में भाषा सरल, स्पष्ट हो

(ii) उल्टा पिरामिड शैली होनी चाहिए।

(iii) भाषा शैली होनी चाहिए।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

(80) अस्सी

7/5

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न. संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्यां	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021